



आनंदमयी कविता



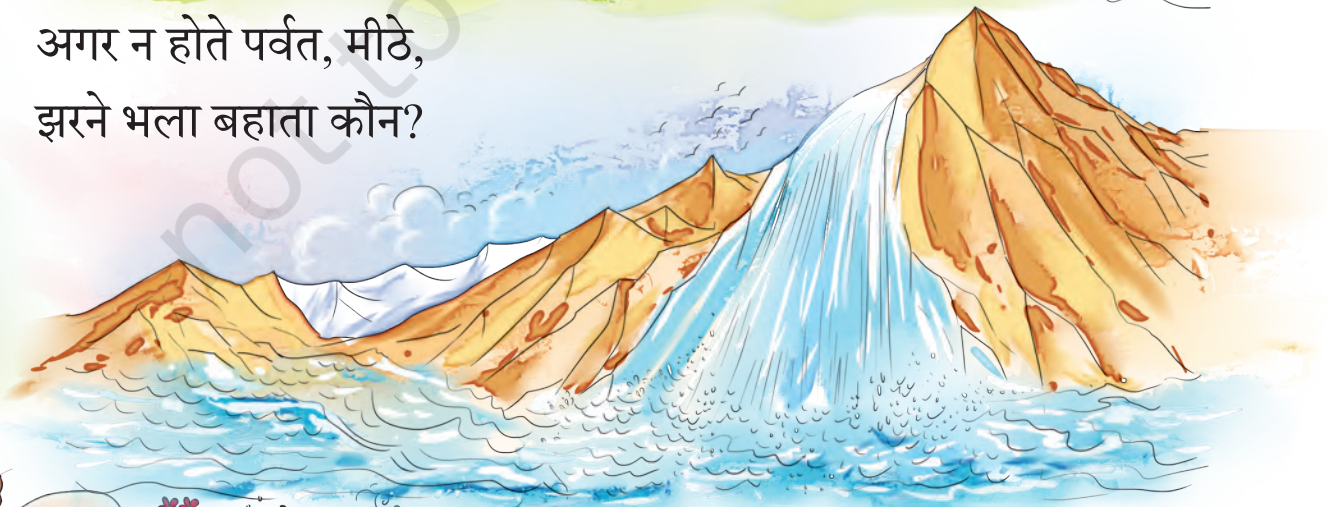
कौन

अगर न होता चाँद, रात में,
हमको दिशा दिखाता कौन?
अगर न होता सूरज, दिन को,
सोने-सा चमकाता कौन?

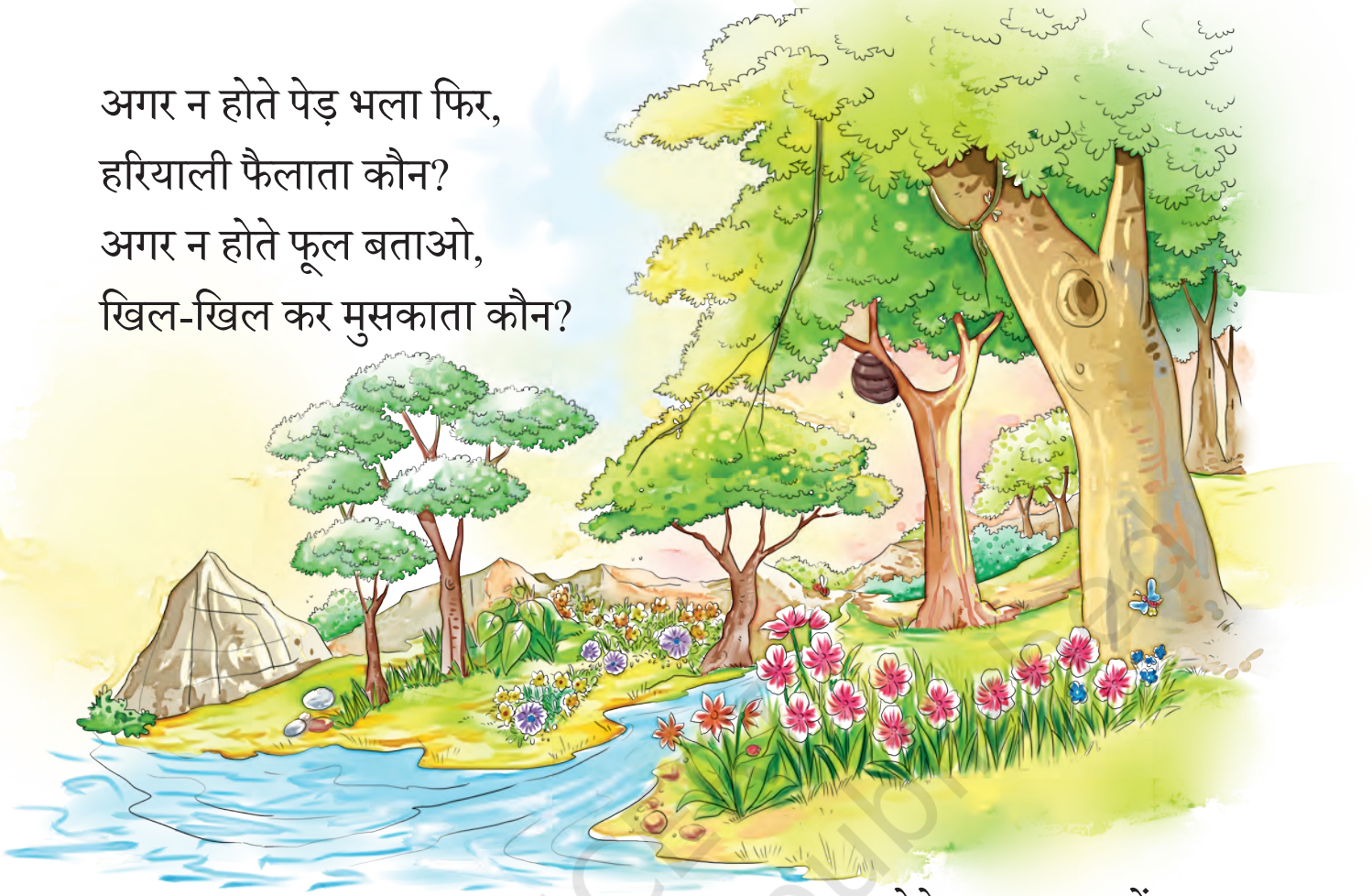


अगर न होती निर्मल नदियाँ,
जग की प्यास बुझाता कौन?

अगर न होते पर्वत, मीठे,
झरने भला बहाता कौन?



अगर न होते पेड़ भला फिर,
हरियाली फैलाता कौन?
अगर न होते फूल बताओ,
खिल-खिल कर मुसकाता कौन?



अगर न होते बादल, नभ में,
इंद्रधनुष रच पाता कौन?
अगर न होते हम तो बोलो,
ये सब प्रश्न उठाता कौन?

— बालस्वरूप राही





बातचीत के लिए



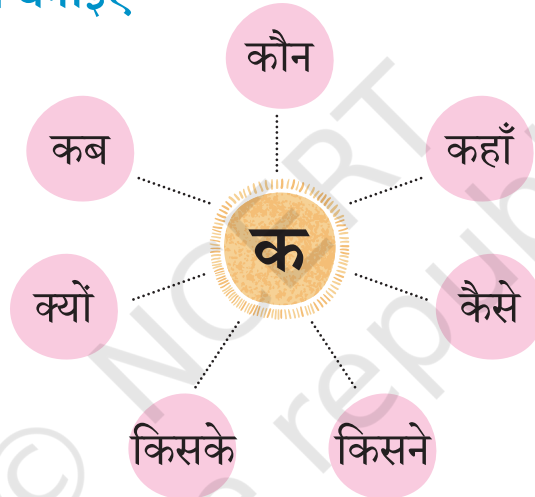
1. अगर चाँद और सूरज न होते तो क्या होता?
2. क्या आपने इंद्रधनुष देखा है?
3. इंद्रधनुष कब बनता है? पता कीजिए।
4. आपने इंद्रधनुष में कौन-कौन से रंग देखे हैं?



सोचिए और लिखिए



1. इन शब्दों से प्रश्न बनाइए –



2. कविता के आधार पर नीचे दिए गए वाक्यों को पूरा कीजिए –

- (i) अगर पेड़ न होते तो
- (ii) अगर नदियाँ न होतीं तो
- (iii) अगर पर्वत न होते तो
- (iv) अगर फूल न होते तो

इसी तरह के कुछ और वाक्य बनाइए और अपनी कॉपी में लिखिए।



आइए, कुछ बनाएँ



1. इंद्रधनुष बनाइए और रंग भरिए।
2. हर रंग के सामने अपने बारे में कुछ लिखिए –

लाल — मेरी उम्र साल है।

नारंगी — मेरे घर में लोग रहते हैं।

पीला — मैं में रहता/रहती हूँ।

हरा — मुझे खाना बहुत पसंद है।

नीला — मेरा मनपसंद रंग है।

जामुनी — मुझे बहुत पसंद हैं। (जानवर का नाम)

बैंगनी — मैं बनना चाहता/चाहती हूँ।



खोजें-जानें



अपने परिवार के दो सदस्यों को चुनिए और उनसे कुछ ऐसे प्रश्न पूछिए जो आप हमेशा पूछना चाहते हैं। प्रश्नों को पहले ही लिख लीजिए, जैसे— आप भाई-बहन से पूछ सकते हैं कि उनका मनपसंद खेल कौन-सा है। माँ से पूछ सकते हैं कि वे बचपन में क्या नटखटी करती थीं और पिताजी से पूछ सकते हैं कि उन्हें छुट्टी पर कहाँ जाना पसंद है। कक्षा में आकर मित्रों को अपनी बातचीत सुनाइए और उनकी बातचीत भी ध्यान से सुनिए।

